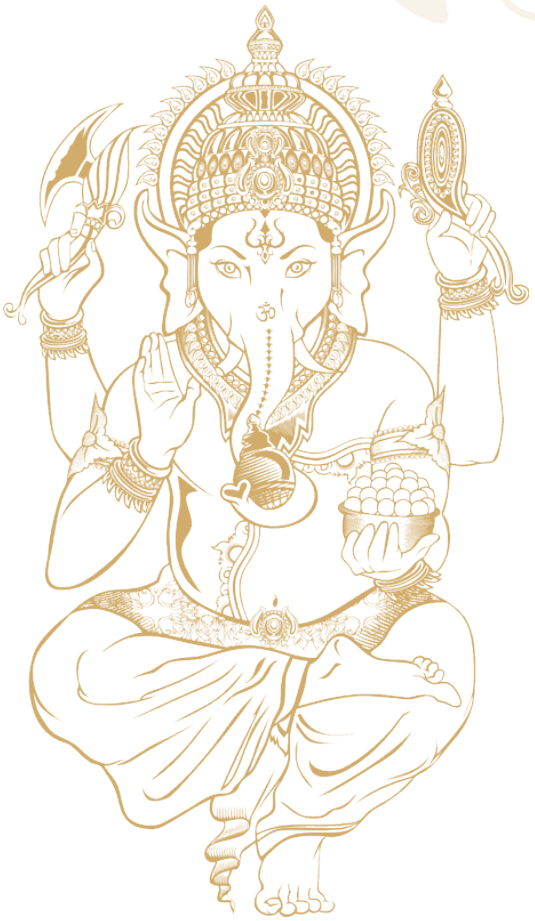

M D

05 Aug 2003

08:41 AM

Dhanbad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121491202

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**05/08/2003**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**08:41:00 घंटे**
इष्ट	08:35:11 घटी
स्थान	**Dhanbad**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	23:47:00 उत्तर
रेखांश	86:32:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:16:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:57:08 घंटे
वेलान्तर	-00:06:03 घंटे
साम्पातिक काल	05:50:12 घंटे
सूर्योदय	05:14:55 घंटे
सूर्यास्त	18:24:26 घंटे
दिनमान	13:09:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	18:24:49 कर्क
लग्न के अंश	03:51:09 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शुभ
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रो-रोहिणी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	03:51:09	330:17:42	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			कर्क	18:24:49	00:57:27	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			तुला	16:04:09	14:06:49	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
मंगल	व		कुंभ	15:55:24	00:05:20	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध			सिंह	13:56:19	01:19:33	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			सिंह	01:15:24	00:12:55	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र		अ	कर्क	14:39:30	01:13:59	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
शनि			मिथु	13:56:23	00:06:54	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		वृष	02:20:57	00:00:10	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	02:20:57	00:00:10	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	07:41:10	00:02:13	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप	व		मक	17:52:08	00:01:38	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	23:28:53	00:00:44	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			मिथु	03:50:47	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:13

लग्न-चलित

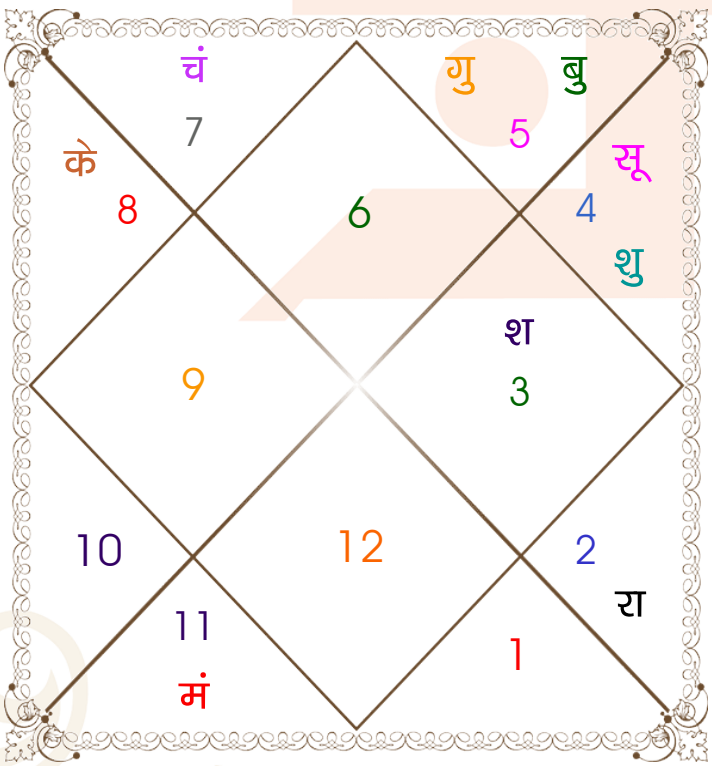

चन्द्र कुंडली

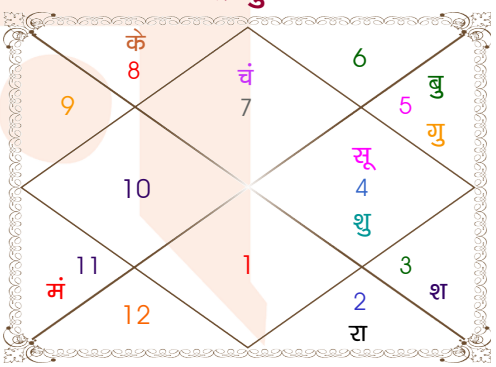

नवमांश कुंडली

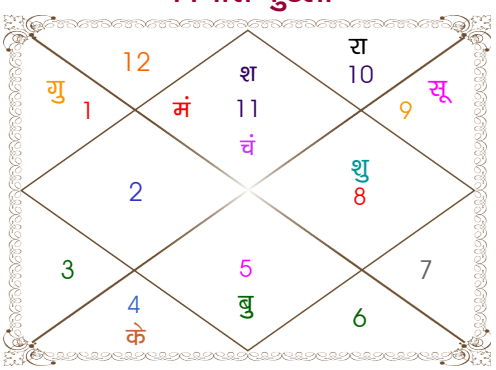

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 5 वर्ष 3 मास 20 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
05/08/2003		24/11/2008		24/11/2024		25/11/2043		24/11/2060	
24/11/2008		24/11/2024		25/11/2043		24/11/2060		25/11/2067	
	00/00/0000	गुरु	12/01/2011	शनि	28/11/2027	बुध	23/04/2046	केतु	22/04/2061
	00/00/0000	शनि	26/07/2013	बुध	07/08/2030	केतु	20/04/2047	शुक्र	22/06/2062
	00/00/0000	बुध	01/11/2015	केतु	16/09/2031	शुक्र	18/02/2050	सूर्य	28/10/2062
	00/00/0000	केतु	06/10/2016	शुक्र	16/11/2034	सूर्य	25/12/2050	चंद्र	29/05/2063
	05/08/2003	शुक्र	07/06/2019	सूर्य	28/10/2035	चंद्र	26/05/2052	मंगल	25/10/2063
शुक्र	13/06/2005	सूर्य	26/03/2020	चंद्र	29/05/2037	मंगल	23/05/2053	राहु	12/11/2064
सूर्य	08/05/2006	चंद्र	26/07/2021	मंगल	08/07/2038	राहु	10/12/2055	गुरु	19/10/2065
चंद्र	07/11/2007	मंगल	02/07/2022	राहु	14/05/2041	गुरु	17/03/2058	शनि	28/11/2066
मंगल	24/11/2008	राहु	24/11/2024	गुरु	25/11/2043	शनि	24/11/2060	बुध	25/11/2067

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
25/11/2067		25/11/2087		24/11/2093		26/11/2103		26/11/2110	
25/11/2087		24/11/2093		26/11/2103		26/11/2110		00/00/0000	
शुक्र	26/03/2071	सूर्य	13/03/2088	चंद्र	25/09/2094	मंगल	23/04/2104	राहु	08/08/2113
सूर्य	26/03/2072	चंद्र	12/09/2088	मंगल	26/04/2095	राहु	12/05/2105	गुरु	01/01/2116
चंद्र	24/11/2073	मंगल	18/01/2089	राहु	25/10/2096	गुरु	17/04/2106	शनि	07/11/2118
मंगल	25/01/2075	राहु	13/12/2089	गुरु	24/02/2098	शनि	27/05/2107	बुध	27/05/2121
राहु	24/01/2078	गुरु	01/10/2090	शनि	25/09/2099	बुध	23/05/2108	केतु	14/06/2122
गुरु	24/09/2080	शनि	13/09/2091	बुध	24/02/2101	केतु	20/10/2108	शुक्र	06/08/2123
शनि	25/11/2083	बुध	19/07/2092	केतु	26/09/2101	शुक्र	20/12/2109		00/00/0000
बुध	25/09/2086	केतु	24/11/2092	शुक्र	27/05/2103	सूर्य	27/04/2110		00/00/0000
केतु	25/11/2087	शुक्र	24/11/2093	सूर्य	26/11/2103	चंद्र	26/11/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 5 वर्ष 3 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति में धन संग्रह किया जाये, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझती हैं। वास्तव में भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकती हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगीं। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगी। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत योनि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दुबले पतली शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगी। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत योनि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेंगे।

आप वणिक प्रवृति की प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगी। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगी। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगी। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगी।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि की प्राणी है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगी। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगी। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगी संभाल सकेंगी जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगी कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना,

अपने प्रेमी के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पति का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपके एक अच्छे पति एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगी। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपनी अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।